दैनिक
विश्वनाथ समाचार

RNI NO. MPHIN/25/A4357

संदीप सेन (प्रधान संपादक)
मो. 9755161156

www.vishwanathsamachar.com | इंदौर, सोमवार 2 नवम्बर 2026 | वर्ष 1 | कुल पृष्ठ : 8 | DIGITAL EDITION

अंतिम समय पर स्थगित हुआ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का केदारनाथ दौरा

प्रशासनिक महकमे में मची हलचल

राष्ट्रपति की प्रस्तावित यात्रा को लेकर स्थानीय स्तर पर भी उत्सुकता थी। अब दौरा स्थगित होने के बाद सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि राष्ट्रपति का उत्तराखंड और केदारनाथ आने का नया कार्यक्रम कब निर्धारित किया जाता है।

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

देहरादून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का उत्तराखंड दौरा अंतिम समय पर स्थगित कर दिया गया है। राष्ट्रपति का आगामी बिते कल 1 और आज 2 नवंबर को केदारनाथ धाम पहुंचने का कार्यक्रम प्रस्तावित था। उनके इस दौरे को लेकर उत्तराखंड में प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां की जा रही थीं। हालांकि, अब अचानक यात्रा स्थगित होने की सूचना मिलने के बाद प्रशासनिक महकमे में हलचल तेज हो गई है। राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर संबंधित विभागों और अधिकारियों की ओर से की जा रही तैयारियों पर भी फिलहाल विराम लग गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 1 और 2 नवंबर को उत्तराखंड स्थित विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम की यात्रा पर पहुंचना था।

इस दौरान उनके केदारनाथ दर्शन और अन्य निर्धारित कार्यक्रमों को लेकर तैयारियां की जा रही थीं। राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा था। सुरक्षा, प्रोटोकॉल और अन्य आवश्यक इंतजामों को लेकर भी संबंधित अधिकारियों की सक्रियता बनी हुई थी। निजी सचिव ने दी दौरा स्थगित होने की जानकारी- राष्ट्रपति की केदारनाथ यात्रा स्थगित किए जाने की आधिकारिक जानकारी उनके निजी सचिव मृत्युंजय शर्मा की ओर से दी गई है। निजी सचिव की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, राष्ट्रपति का उत्तराखंड दौरा पहले 1 और 2 नवंबर को निर्धारित किया गया था, लेकिन अब इस प्रस्तावित कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को भी जानकारी दे दी गई है। हालांकि, राष्ट्रपति की यात्रा स्थगित किए जाने के पीछे क्या कारण रहे हैं, इस बारे में फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। निजी सचिव की ओर से दी गई सूचना में भी दौरा स्थगित करने की वजह का उल्लेख नहीं किया गया है। ऐसे में फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किन परिस्थितियों के चलते राष्ट्रपति का केदारनाथ दौरा टालने का निर्णय लिया गया।



तैयारियों के बीच अचानक बदला कार्यक्रम

राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए उत्तराखंड प्रशासन के स्तर पर तैयारियां की जा रही थीं। केदारनाथ धाम में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर संबंधित अधिकारियों और विभागों के बीच समन्वय बनाया जा रहा था। ऐसे में अंतिम समय पर कार्यक्रम स्थगित होने की सूचना ने प्रशासनिक महकमे का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

केदारनाथ धाम देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है और यहां राष्ट्रपति के आगमन को महत्वपूर्ण माना जा रहा था।

दिल्ली से गुवाहाटी तक दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

उत्तर कॉरिडोर को प्रधानमंत्री की मंजूरी, आगरा, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, पटना और सिलीगुड़ी से जुड़ेगा प्रस्तावित मार्ग

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुलेट ट्रेन नेटवर्क के उत्तर कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 31 अक्टूबर को इसकी जानकारी दी। प्रस्तावित गलियारा दिल्ली से शुरू होकर आगरा, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज, पटना और सिलीगुड़ी होते हुए गुवाहाटी तक पहुंचेगा।

रेल मंत्री के अनुसार

इस परियोजना से लंबी दूरी की यात्रा में लगने वाला समय काफी घट सकता है। प्रस्तावित समय-सारणी के मुताबिक दिल्ली से आगरा का सफर 59 मिनट, कानपुर का एक घंटा 45 मिनट और लखनऊ का दो घंटे 12 मिनट में पूरा हो सकेगा। दिल्ली से वाराणसी की यात्रा लगभग साढ़े तीन घंटे की बताई गई सरकार का दावा है कि निर्माण में स्वदेशी तकनीक और भारतीय श्रमशक्ति को प्राथमिकता मिलेगी। हालांकि, परियोजना की विस्तृत लागत, निर्माण की समयसीमा और गुवाहाटी तक पूरे मार्ग की चरणबद्ध कार्ययोजना अभी स्पष्ट नहीं है।

मुख्यमंत्री निवास में हुआ कार्यक्रम

मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से किया संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 900 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को 450 करोड़ रुपये से अधिक और 120 से अधिक स्टार्टअप्स को 47.80 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि सिंगल क्लिक से की अंतरित

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को प्रदेश के औद्योगिक एवं उद्यमिता क्षेत्र को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए एक नई "एमएसएमई औद्योगिक विकास कंपनी" MSME-IDC का गठन करेगी। यह कंपनी सभी क्षेत्रों में समान रूप से अधोसंरचना, भूमि सहित उद्योग संबंधी आवश्यकताओं को उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम जिस प्रकार बड़े उद्योगों अर्थात 500 करोड़ से अधिक के निवेश के लिए कार्य कर रहा है, उसी तर्ज पर यह नई कंपनी पूरी तरह एमएसएमई क्षेत्र के प्रोत्साहन और विकास के लिए समर्पित होगी। यह राज्य शासन के पूर्ण स्वामित्व वाली शासकीय कंपनी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि



निजी निवेशक भी अब औद्योगिक पार्क बना सकते हैं, सरकार 50 लाख रुपये प्रति हैक्टेयर की दर से उन्हें अनुदान उपलब्ध करायेगी। इसके साथ ही प्रदेश के सभी जिलों में 2 माह में एमएसएमई के लिए भूमि उपलब्ध होगी। इससे प्रदेश में औद्योगिक विकास और निवेश को नई गति मिल सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास से सिंगल क्लिक द्वारा प्रदेश की 900 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को 450 करोड़ रुपये से अधिक तथा 120 से अधिक स्टार्टअप्स को 47.80 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि अंतरित की। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य काश्यप विशेष रूप से उपस्थित थे।

सरकार उद्यमियों के नवाचारों और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 75 औद्योगिक भूखंडों के लिए आशय-पत्र प्रदान किए। इनसे लगभग 83 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है, जिससे 640 रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत विभिन्न हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा उद्यमियों से निवेश, भविष्य की योजनाओं एवं औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने उद्यमियों को आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार उनके नवाचारों और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

अपने ही आदेश के सामने बेबस सीएमएचओ,

अटैचमेंट निरस्ती का फरमान केवल कागजों तक सीमित

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

जीवन डोडिया-9926084685
विशेष संवाददाता



इंदौर/देपालपुर। जिले में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर कठघरे में खड़ी हो गई है... क्योंकि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने स्वयं ही संलग्नीकरण को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने का आदेश जारी किया, लेकिन उसी आदेश को अपने ही जिले में क्रियान्वित कराने में वे असहाय नजर आ रहे हैं, आदेश कागजों पर जितना सख्त दिखाई देता है, धरातल पर उतना ही निष्प्रभावी साबित हो रहा है और इसका सबसे प्रत्यक्ष उदाहरण देपालपुर की स्टाफ नर्स कोतिका कोकुड़े का प्रकरण है, जिनकी मूल पदस्थापना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देपालपुर में है, जबकि पिछले कई महीनों से उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धन्नड़ में अटैच कर सेवा ली जा रही है, जिससे देपालपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का एक स्वीकृत पद रिक्त दिखाकर धन्नड़ में व्यवस्था चलाई जा रही है और देपालपुर में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को इसका सीधा खामियाजा भुगतना पड़ रहा है, फिर भी विभाग इस अनियमितता पर मौन साधे बैठा है।

उल्लेखनीय है कि

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला इंदौर के पत्र क्रमांक/स्थापना/2026/22233 दिनांक 16/10/2026 में भोपाल में दिनांक 14 एवं 15 अक्टूबर 2026 को आयोजित बैठक तथा दिनांक 16/10/2026 को व्हाट्सएप ग्रुप में मुख्यालय स्तर से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में स्पष्ट किया गया था कि किसी भी संस्था में किसी अधिकारी अथवा कर्मचारी का संलग्नीकरण किया गया हो तो उसे तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है, संलग्नीकरण में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों को आज ही अपने मूल पदस्थापना स्थल पर उपस्थित होने हेतु कार्यमुक्त कर उसकी जानकारी आज ही कार्यालय को भेजना सुनिश्चित किया जाए, इसके उपरांत भी कोई अधिकारी-कर्मचारी संलग्नीकरण में पाया जाता है तो उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी, जिसका संपूर्ण उत्तरदायित्व संबंधित का रहेगा, यहां तक कि माह अक्टूबर 2026 का वेतन आहरण भी मूल पदस्थापना स्थल पर उपस्थित होने के उपरांत ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे।



इतने कठोर और असंदिग्ध आदेश के बाद भी देपालपुर में स्थिति यथावत बनी हुई है

जिससे स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि जब सीएमएचओ ने स्वयं ही अटैचमेंट को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया था, तो फिर कोतिका कोकुड़े आज तक धन्नड़ में ही क्यों कार्यरत हैं, उन्हें उनकी मूल पदस्थापना देपालपुर में क्यों नहीं भेजा गया और यदि वे अब भी अटैचमेंट में हैं तो उन पर तथा उन्हें अटैच रखने वाले अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं हुई, क्या सीएमएचओ का आदेश केवल सामान्य कर्मचारियों को भयभीत करने के लिए जारी किया गया था, अथवा कुछ विशेष लोगों के लिए नियम अलग से लागू होते हैं।

इस प्रकरण ने

स्वास्थ्य विभाग के भीतर व्याप्त दोहरी व्यवस्था को उजागर कर दिया है, जहां एक ओर पत्र पर आज ही तत्काल अंकित किया जाता है, वहीं दूसरी ओर महीनों से चले आ रहे अटैचमेंट को जानबूझकर अनदेखा किया जाता है, यदि सीएमएचओ अपने ही हस्ताक्षर से जारी आदेश का पालन नहीं करा सकते तो जिले के खंड चिकित्सा अधिकारियों और संस्था प्रभारियों से अनुशासन की अपेक्षा करना ही निरर्थक हो जाता है। नगरवासियों और स्वास्थ्य कर्मियों की स्पष्ट मांग है कि सीएमएचओ डॉ. हासानी अपने आदेश का तत्काल पालन कराएं, कोतिका कोकुड़े को उनकी मूल पदस्थापना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देपालपुर में तत्काल उपस्थित कराएं और आदेश की अवहेलना के लिए जिम्मेदारों पर कार्रवाई कर यह सिद्ध करें कि जिले में आदेश कागजों की शोभा बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि पालन कराने के लिए जारी होते हैं।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में जनपद शिक्षा केंद्र देपालपुर प्रदेश में प्रथम

बीआरसी गणेश सोलंकी के नेतृत्व में टीम को मिली बड़ी सफलता

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

देपालपुर। शिक्षा विभाग में जनपद शिक्षा केंद्र देपालपुर ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली का परिचय देते हुए सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

यह उपलब्धि देपालपुर के लिए गौरव का विषय है, क्योंकि प्रदेश भर के जनपद शिक्षा केंद्रों के बीच देपालपुर की टीम ने समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपूर्ण निराकरण कर यह मुकाम हासिल किया है। यह सफलता विकासखंड स्रोत समन्वयक (बीआरसी) गणेश सोलंकी के कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन और टीम की निरंतर मेहनत का परिणाम मानी जा रही है। उनके नेतृत्व में पूरी टीम ने शिकायतों को केवल औपचारिकता के रूप में नहीं लिया, बल्कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनकर, मौके पर जांच कर और आवेदक की संतुष्टि को प्राथमिकता देते हुए उसका समाधान किया। यही कारण है कि देपालपुर जनपद शिक्षा केंद्र शिकायत निराकरण में प्रदेश में पहले स्थान पर पहुंचा।

बीआरसी गणेश सोलंकी ने इस उपलब्धि का श्रेय अपनी पूरी टीम के



समर्पण, मेहनत और उत्कृष्ट कार्यशैली को दिया। उन्होंने कहा कि जनहित में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करना ही टीम का मुख्य उद्देश्य है और आगे भी इसी लगन और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया जाएगा, ताकि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान होता रहे। जनपद शिक्षा केंद्र देपालपुर की इस उपलब्धि पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों और नगरवासियों ने पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने आशा व्यक्त की है कि देपालपुर की टीम आगे भी इसी तरह मेहनत, समर्पण और उत्कृष्ट कार्यशैली से जनहित में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करती रहेगी और जिले व प्रदेश का नाम रोशन करती रहेगी।

पीथमपुर में पुलिस का सख्त एक्शन

मनचलों और ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर शिकंजा

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

पीथमपुर। नगर पुलिस अधीक्षक कमल सिंह चौहान के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे के नेतृत्व में सेक्टर-1 थाना क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस ने मुख्य बाजारों, भीड़भाड़ वाले चौराहों और व्यस्त इलाकों में कार्रवाई की।

अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर घूम रहे मनचलों और संदिग्ध युवाओं को पकड़कर चेतावनी दी गई। दुकानदारों को भी हिदायत दी गई कि दुकानों के बाहर असामाजिक



तत्वों को खड़ा न होने दें। पुलिस ने लोगों से संदिग्ध व्यक्ति दिखने पर 112 पर सूचना देने की अपील की। साथ ही ट्रिपल राइडिंग, ओवर स्पीड और मॉडिफाइड प्रेशर हॉर्न बजाने वालों के चालान काटे गए। पुलिस की कार्रवाई से महिलाओं और व्यापारियों ने राहत महसूस की।

62 वर्ष की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए सहायक शिक्षक राकेश चन्द्र पंवार, अहिरखेड़ी में हुआ भावभीना विदाई समारोह

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

देपालपुर। शासकीय प्राथमिक विद्यालय अहिरखेड़ी में कार्यरत सहायक शिक्षक राकेश चन्द्र पंवार 31 अक्टूबर 2026 को 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में विद्यालय परिसर में भावभीना विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में ग्राम पंचायत अहिरखेड़ी की सरपंच कु. जागृति डावर, चरणसिंह नागर, सुरेश नागर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देपालपुर के उपप्रधानाचार्य श्याम चौहान,



शिवलाल यादव, नारायण सिंह गोयल, लक्ष्मी नारायण नागर, सहायक शिक्षक पुनीत सहित एसएमसी अध्यक्ष अनिल चौधरी, ग्रामवासी मदनलाल बाबूजी, धमेन्द्र नागर, राहुल नागर, चेतन नागर एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने श्री पंवार के लंबे सेवाकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ शिक्षण कार्य किया। विद्यार्थियों के प्रति उनका स्नेह और विद्यालय के विकास में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

नवाचार करने वाले किसानों पर मेहरबान हुई सरकार

इंदौर संभाग के 24 किसानों को मिले ट्रैक्टर-बुलेट-ई-स्कूटी



संदीप सेन-9755161156
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने तथा कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री मोहन यादव की पहल पर आयोजित किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व विजन-2026 के अंतर्गत इंदौर संभाग के आठों जिलों के 24 किसानों को पुरस्कृत किया गया।





इंदौर। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर संभाग के सभी जिलों में आयोजित मुख्य समारोहों में प्रत्येक जिले से चयनित तीन-तीन विजेता किसानों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। इंदौर जिले में देपालपुर तहसील के ग्राम बछौड़ा निवासी जितेंद्र पिता प्रहलाद सिंह मौर्य को प्रथम, हातोद तहसील के ग्राम कराड़िया निवासी गोपाल सिंह पिता रूपचंद चौधरी को द्वितीय तथा मल्हारगंज तहसील के ग्राम नैनोद निवासी शैलेन्द्र पिता गोकुल सिंह को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। धार जिले में ग्राम बोधवाड़ा, तहसील कुक्षी निवासी किशोर यादव को प्रथम, ग्राम बक्साना, तहसील पीथमपुर निवासी हीरासिंह चौहान को द्वितीय तथा ग्राम एकलरखुर्द, तहसील धरमपुरी निवासी उदय पाटीदार को तृतीय पुरस्कार मिला। बुरहानपुर जिले में ग्राम सावली रैयत, तहसील खकनार निवासी पवन गढवे प्रथम, ग्राम लोनी तहसील बुरहानपुर निवासी अक्षय महाजन द्वितीय तथा ग्राम सिरसोदा तहसील बुरहानपुर निवासी निलेश चौधरी तृतीय पुरस्कार के विजेता रहे। झाबुआ जिले में ग्राम घुघरी, तहसील पेटलावद निवासी नरेंद्र पोरवाल को प्रथम, ग्राम मदरानी, तहसील मेघनगर निवासी अरुण बारिया को द्वितीय तथा ग्राम सामली, तहसील पेटलावद निवासी मोती मेड़ा को तृतीय पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।

योजना के तहत प्रत्येक जिले के प्रथम पुरस्कार विजेता को 7 लाख 26 हजार रुपये मूल्य का ट्रैक्टर, द्वितीय पुरस्कार विजेता को 1 लाख 68 हजार रुपये मूल्य की बुलेट मोटरसाइकिल तथा तृतीय पुरस्कार विजेता को 1 लाख 20 हजार रुपये की ई-स्कूटी के लिए राशि प्रदान की गई।

आलीराजपुर जिले में

ग्राम वंझाबायड़ा, तहसील जोबट निवासी कलम सिंह डुडवे को प्रथम, ग्राम चिखली, तहसील सोण्डवा निवासी किस्मत मंडलोई को द्वितीय तथा ग्राम कालीखेतर, तहसील जोबट निवासी कैलाश मीनावा को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। खरगोन जिले में ग्राम डोंगरगांव, तहसील खरगोन निवासी श्याम पाटीदार प्रथम, ग्राम राजुर, तहसील खरगोन निवासी संगीता पाटीदार द्वितीय तथा ग्राम भोगांव सिपानी, तहसील सनावद निवासी रामविलास बिरला तृतीय पुरस्कार के विजेता बने। बड़वानी जिले में ग्राम पोसपुर, तहसील पाटी निवासी राकेश सस्ते को प्रथम, ग्राम काकरिया, तहसील ठीकरी निवासी राधेश्याम चौहान को द्वितीय तथा ग्राम भागसुर, तहसील राजपुर निवासी सुनील काग को तृतीय पुरस्कार मिला। खंडवा जिले में ग्राम गरबड़ी रैयत, तहसील न्यू हरसूद निवासी विनोद पंवार को प्रथम, ग्राम पोखरकला, तहसील पंधाना निवासी सोनाली चौहान को द्वितीय तथा ग्राम टेमरुखोदरा, तहसील न्यू हरसूद निवासी लालू यादव को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस पहल का उद्देश्य

किसानों को आधुनिक कृषि उपकरणों एवं तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना तथा खेती में नवाचार की संस्कृति विकसित करना है। पुरस्कारों के माध्यम से किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों के प्रति प्रेरित करने के साथ ही कृषि क्षेत्र में तकनीकी जागरूकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

सांवरिया मोटर्स पर युवा टोली का दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

200 से अधिक युवाओं ने की सहभागिता

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

देपालपुर। नगर के मंगलवारिया पशुहाट स्थित श्री सांवरिया मोटर्स पर रविवार को युवा टोली की ओर से दीपावली के उपलक्ष्य में भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के 200 से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश दिया। दीपावली के पावन पर्व पर आयोजित इस समारोह में युवाओं का जोश और उल्लास देखते ही बन रहा था, पूरा परिसर दीपों की रोशनी और आत्मीयता से जगमगा उठा। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और नगर के विकास, सामाजिक सौहार्द और युवाओं की सकारात्मक भूमिका को



लेकर विचार साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं है, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और मनमुटाव पर प्रेम की विजय का प्रतीक है, और युवा टोली का यह मिलन समारोह उसी भावना को सशक्त करता है। समारोह के अंतर्गत स्नेह भोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी युवाओं ने एक साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया और आपसी संबंधों को और अधिक मजबूत किया। आयोजकों ने सभी अतिथियों और सहभागी युवाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि युवा टोली भविष्य में भी इसी तरह सामाजिक, सांस्कृतिक और सेवा कार्यों के माध्यम से नगर को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती रहेगी।

विशेष निधि 25 लाख से होंगे विकास कार्य

देपालपुर में वार्ड-2 में सीसी रोड व पेवर ब्लॉक कार्य का शुभारंभ, छोटी गलियों में लगेंगे पेवर ब्लॉक



विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

देपालपुर। नगर परिषद देपालपुर के वार्ड क्रमांक 2 में विशेष निधि 25 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण एवं पेवर ब्लॉक कार्य का विधिवत पूजन कर शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा रहे। विकास कार्य का शुभारंभ मुख्य अतिथि चिंटू वर्मा, अध्यक्ष प्रतिनिधि महेश पुरी पहलवान एवं उपाध्यक्ष गोपाल कटेसरिया के द्वारा किया गया।क्षेत्रीय पार्षद रवि चौरसिया ने बताया कि नगर का यह पहला वार्ड होगा, जहां छोटी-छोटी गलियों में पेवर ब्लॉक लगाए जाएंगे। इससे वार्डवासियों को कीचड़ व धूल से मुक्ति मिलेगी और आवागमन सुगम होगा।इस अवसर पर पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष चंद्रजीत यादव (पप्पू), वरिष्ठ पार्षद विमल यादव, पार्षद मोहर सिंह नागर, पार्षद अनिल धाकड़, पार्षद करामात खान, पार्षद सलाम खान पहलवान, पार्षद सोमिल माली, समाजसेवी हकीम शाह, माधव सेन, विराट चौरसिया सहित सम्माननीय जनप्रतिनिधिगण, परिषद के कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में वार्ड निवासी उपस्थित रहे।सभी अतिथियों ने विकास कार्यों के लिए नगर परिषद की सराहना की और कहा कि सबका साथ, सबका विकास के संकल्प के साथ नगर के हर वार्ड में विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

लोकतंत्र के लिए खतरा है

भीड़तंत्र

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

संपादकीय

आधुनिक राजनीतिक दर्शन में लोकतंत्र को केवल बहुमत का शासन नहीं, बल्कि संवाद, विमर्श और असहमति के सह-अस्तित्व की सतत प्रक्रिया माना जाता है। परिपक्व लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं अपनी वैधता और स्थायित्व तब प्राप्त करती हैं, जब नागरिकों को व्यवस्था की कमियों पर सवाल उठाने और शांतिपूर्ण प्रतिरोध का पर्याप्त अवसर मिलता है। असहमति को लोकतंत्र का सुरक्षा-वाल्व माना जाता है। इसके वैधानिक रास्ते बंद होने पर राजनीतिक व्यवस्था में अव्यवस्था की आशंका बढ़ जाती है। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में भारत सहित दुनिया के कई हिस्सों में एक स्पष्ट बदलाव दिखाई दे रहा है।

गहरे मतभेदों और लंबे आंदोलनों के बावजूद भारत तीन प्रमुख आधारों पर अपने पड़ोसी देशों (श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल) की तरह संस्थागत पतन या तख्तापलट से बचा रहा है।

शांतिपूर्ण, सत्याग्रह-प्रेरित और कानून के दायरे में होने वाले जन आंदोलनों की जगह धीरे-धीरे आक्रामक, अनियंत्रित और व्यवस्था-विरोधी भीड़तंत्र लेता जा रहा है। जब असहमति सार्वजनिक जीवन को बाधित करने, राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और प्रशासनिक तंत्र को बंधक बनाने का रूप लेती है, तब लोकतंत्र भीड़तंत्र में बदलने लगता है। कानूनों में संशोधन, विकास योजनाओं और संवैधानिक संस्थाओं के विरोध में हुए प्रदर्शनों ने वैध जनविरोध और अराजक भीड़तंत्र के बीच अंतर निर्धारित करने का बुनियादी प्रश्न खड़ा कर दिया है। दक्षिण एशिया से पश्चिमी यूरोप तक की घटनाएं दर्शाती हैं कि जब जनांदोलन संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन करते हैं, तो लोकतंत्र भीड़तंत्र में बदलने लगता है। वर्ष 2022 में श्रीलंका के 'अरगलाया' आंदोलन और नेपाल में लगातार हुई नाकेबंदियों ने संस्थागत स्थिरता को कमजोर किया। वहीं अगस्त 2024 में बांग्लादेश का आरक्षण-विरोधी आंदोलन हिंसक सत्ता-परिवर्तन में बदल गया, जिसके बाद संसद, न्यायपालिका और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाएं गंभीर संकट में आ गईं। पश्चिमी लोकतंत्र भी इस संकट से अछूते नहीं हैं। फ्रांस, इटली, बेल्जियम, पुर्तगाल, स्पेन और अल्बानिया में लोग सरकारी नीतियों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं।

फ्रांस में महंगाई, शिक्षा व्यवस्था की बदहाली और सार्वजनिक सेवाओं में कटौती के विरोध में शुरू हुए प्रदर्शन कुछ स्थानों पर आगजनी, लूटपाट और पुलिस के साथ झड़पों में बदल गए। इटली और बेल्जियम में भी प्रदर्शनकारियों द्वारा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आईं। परिपक्व लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले इन देशों में वैधानिक प्रक्रियाओं के बजाय सड़क पर अराजकता के जरिये निर्णय हासिल करने की कोशिश चिंताजनक है।

भारत के लिए भी यह गंभीर चिंता का विषय है कि कुछ घरेलू तत्व इस अराजकता से कुप्रेरणा लेकर 'ढाका की तर्ज पर दिल्ली में 'रिजीम चेंज' का आह्वान कर रहे हैं। पहला, पड़ोसी देशों से अलग भारतीय सेना पूरी तरह गैर-राजनीतिक रही है और उसने हमेशा निर्वाचित नागरिक सरकार तथा संविधान के अधीन अपनी भूमिका निभाई है। दूसरा, संघीय ढांचा और केंद्र तथा राज्यों में होने वाले नियमित चुनाव 'सुरक्षा वाल्व' का काम करते हैं। इनके माध्यम से जनता का असंतोष सड़कों पर लंबे समय तक बने रहने के बजाय मतपेटियों के जरिये अभिव्यक्त होता है।

वोट चोरी का बहाना

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

विपक्ष इस सच से भी मुंह मोड़ रहा है कि एसआइआर की सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रक्रिया में सुधार के कई सुझाव देने के साथ लोगों को अपना नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराने के लिए अतिरिक्त सुविधा एवं समय प्रदान करने के भी निर्देश दिए हैं। इस सबके बावजूद विपक्षी दल वोट चोरी का राग अलापने में लगे हुए हैं। कांग्रेस ने सहयोगी दलों के सहयोग से दिल्ली के रामलीला मैदान में तथाकथित वोट चोरी के बहाने भीड़ तो जुटा ली, लेकिन यह भीड़ दस लाख के दावे के मुकाबले कहीं अधिक कम रही। इस रैली में राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी नेताओं ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआइआर को लेकर वही सब कहा, जो पिछले लंबे समय तक कहते चले आ रहे हैं। इसमें संदेह है कि यह रैली विपक्ष के इस नैरेटिव को विश्वसनीयता प्रदान कर सकेगी कि एसआइआर के जरिये विपक्षी दलों के समर्थकों के नाम जानबूझकर वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। आश्चर्य नहीं कि वोट चोरी का शोर मचाकर जो माहौल बनाया जा रहा है, उसका वही हश्र हो, जो इस दुष्प्रचार का हुआ था कि ईवीएम के कारण विपक्ष को हार का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस को वोट चोरी का अपना अभियान तेज करने का जरिया कुछ दिन पहले की उस खबर से मिला, जिससे यह संदेश देने की कोशिश की गई थी कि एसआइआर के मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार दोनों चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में शपथपत्र देकर स्पष्ट रूप से कहा कि एसआइआर पर सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से हुए। इसके बाद भी विपक्षी दल अपने इस हठ पर कायम हैं कि वोट चोरी हो रही है। वे इस तथ्य पर भी ध्यान देने के लिए तैयार नहीं कि जिन 13 करोड़ लोगों के नाम वोटर लिस्ट हटाए गए हैं, वे उनके हैं जो



अन्यत्र जा बसे हैं या जिनकी मृत्यु हो गई है अथवा जिनके नाम दो-तीन जगह दर्ज थे। सच यह भी है कि 13 करोड़ लोगों का नाम हटाने का फैसला अंतिम नहीं है और वैध मतदाता अपना नाम वोटर लिस्ट में अभी भी शामिल करा सकते हैं। विपक्ष इस सच से भी मुंह मोड़ रहा है कि एसआइआर की सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रक्रिया में सुधार के कई सुझाव देने के साथ लोगों को अपना नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराने के लिए अतिरिक्त सुविधा एवं समय प्रदान करने के भी निर्देश दिए हैं। इस सबके बावजूद विपक्षी दल वोट चोरी का राग अलापने में लगे हुए हैं। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट में एसआइआर के खिलाफ याचिका दायर करने वाले विपक्षी नेता कथित वोट चोरी के खिलाफ कोई प्रमाण कोर्ट के समक्ष पेश करने के बजाय दिखावटी संसद बुलाकर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ जन महाभियोग पारित करने जैसे स्वांग कर अपना ही उपहास ही उड़ा रहे हैं। एक विडंबना यह भी है कि वोट चोरी का आरोप लगा रहे कई विपक्षी दल और खासकर कांग्रेस बूथ लेवल अफसरों की ओर से होने वाली त्रुटियों को रोकने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को बूथ लेवल एजेंट के तौर पर नियुक्त करने को लेकर उदासीन है।

रांस में मैक्रों सरकार के खिलाफ जनाक्रोश

सड़कों पर 3.20 लाख लोग

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

पेरिस। फ्रांस में महंगाई और सरकारी सेवाओं को लेकर जनता का आक्रोश सड़कों पर उतर आया। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की सरकार के खिलाफ लगातार तीसरे सप्ताहांत हुए प्रदर्शनों में करीब 3.20 लाख लोगों के शामिल होने का दावा किया गया है। प्रदर्शनकारियों का गुस्सा बढ़ती महंगाई, जीवनयापन की लागत और सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली को लेकर है। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत देशभर में करीब 70 हजार पुलिसकर्मी और सुरक्षा जवान तैनात किए। पेरिस में कई इलाकों में रूट बदले गए और कुछ क्षेत्रों में रात के प्रतिबंध लगाए गए। हैलोवीन पर चेहरा ढककर उपद्रव की आशंका ने पुलिस की चिंता बढ़ाई। प्रदर्शन के दौरान पेरिस, लियोन, मार्सेई और टूलूज में झड़पें हुईं। पुलिस ने आंसू गैस और कुछ स्थानों पर पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया।



हालांकि, अधिकांश प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 17 अक्टूबर को 5.50 लाख और 24 अक्टूबर को 4.10 लाख लोग उतरे थे। तीन सप्ताह में 10 हजार करोड़ रुपये के नुकसान का आंकड़ा स्वतंत्र रूप से पुष्ट नहीं है। लगातार सड़कों पर उमड़ती भीड़ मैक्रों सरकार के लिए राजनीतिक चुनौती बनती जा रही है।

तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण! लेकिन यूसीसी का इम्तिहान भी जरूरी

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

उत्तर प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की बहस अब टालने का नहीं, ठोस जवाब देने का विषय है। सवाल सीधा है—विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और पारिवारिक अधिकारों में नागरिकों के साथ समानता क्यों नहीं होनी चाहिए? आखिर न्याय की चौखट पर धर्म देखकर अधिकारों का तराजू क्यों बदले? डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में समानता और सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखी।

संविधान का अनुच्छेद 44 समान नागरिक संहिता की दिशा में राज्य को प्रयास करने की बात कहता है। मगर इसे राजनीतिक नारे में समेटना संविधान की भावना के साथ न्याय नहीं होगा। महिलाओं को संपत्ति में बराबरी, विवाह और तलाक में कानूनी सुरक्षा तथा बच्चों के अधिकारों की गारंटी किसी सरकार की मेहरबानी नहीं, उनका हक है। लेकिन यूसीसी तभी सार्थक होगा, जब उसका कानून निष्पक्ष हो, प्रावधान स्पष्ट हों और लागू करने की प्रक्रिया पारदर्शी हो। एक सवाल समर्थकों से भी है।

क्या समानता के नाम पर निजता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और संवैधानिक धार्मिक अधिकारों की अनदेखी स्वीकार होगी?

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 58 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

22 आयुष्मान कार्ड एवं 32 आभा आईडी बनाई

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

उज्जैन। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी जिला उज्जैन द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर 1 नवम्बर 2026 को कालिदास अकादमी, उज्जैन में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य परीक्षण एवं शासन की जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं पर्दशनी माध्यम से जानकारी प्रदान की गई।एवं तम्बाकू मुक्त अभियान का शिविर माध्यम से जागरूकता गतिविधि भी की गईं। साथ ही तम्बाकू





जिला नोडल अधिकारी डॉ. शिव मेन्या के द्वारा युवा वर्ग को तम्बाकू के न सेवन के बारे मे विस्तार से जानकारी प्रदान की गईं। एवं शिविर के दौरान कुल 58 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श दिया गया। साथ ही पात्र हितग्राहियों के 22 आयुष्मान भारत योजना के कार्ड बनाए गए तथा 32 नागरिकों की आभा आईडी (ABHA ID) तैयार की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विक्रम रघुवंशी ने बताया कि शासन की मंशानुसार आमजन को सुलभ, एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है। इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं एवं शासन की योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक पात्र हितग्राही योजनाओं से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जनहित में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों एवं शिविरों में अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं तथा आयुष्मान भारत एवं आभा आईडी जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं से जोड़कर शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित किया जाए इस अवसर पर जिला तम्बाकू नोडल अधिकारी डॉ. शिव मेन्या, आयुष्मान मित्र, स्वास्थ्य विभाग टीम सहित अन्य स्टॉफ उपस्थित थे।

गौतमपुरा के मुख्य बाजार में दिनदहाड़े व्यापारी से चेन व नगदी की लूट

नगर में आक्रोश-बोले लोग, अपराधियों में खत्म हो रहा 'खाकी' का खौफ

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

गौतमपुरा। नगर के मुख्य बाजार में दिनदहाड़े व्यापारी के गले से सोने की चेन और नगदी लूट की घटना ने पूरे नगर को हिला दिया है। व्यस्ततम बाजार में हुई इस वारदात के बाद व्यापारियों और आम नागरिकों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि यह घटना दर्शाती है कि गौतमपुरा में अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हो चुके हैं।नगर के वरिष्ठजनों का कहना है कि अपराधियों में 'खाकी' का खौफ होना चाहिए। जब-जब खाकी का खौफ खत्म होता है, तब-तब ऐसी घटनाएं घटित होती हैं। गौतमपुरा में लगातार हो रही घटनाओं से यही प्रतीत हो रहा है कि पुलिस का भय अपराधियों के मन से निकलता जा रहा है।दशहरे पर भी उतरना पड़ा था सड़क परयह पहली घटना नहीं है। दशहरे के दिन भी व्यापारियों को नगर बंद करके सड़क पर उतरना पड़ा था। उस दिन थाने पर हुए धरने के दौरान कई वक्ताओं ने गौतमपुरा की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उसे सुधारने का निवेदन किया था। आम नागरिक के नाते एक नागरिक ने भी थाना प्रभारी को संबोधित करते हुए नगर की प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया था।इन मुद्दों पर नहीं हुई कार्रवाई, नागरिकों का आरोपनागरिकों के अनुसार धरने के दौरान मुख्य रूप से थाना रोड पर रात्रि में ट्रकों की पार्किंग पर प्रतिबंध, नगर में पटाखे छोड़ती हुई बुलेट गाड़ियों पर कार्रवाई, चंबल नाके से बस स्टैंड तक प्रेशर हॉर्न बजाते हुए तेज रफ्तार से चलने वाली बसों पर कार्रवाई सहित कई मुद्दे उठाए गए थे।

आरोप है कि इन पर खाकी द्वारा कोई ठोस एक्शन नहीं लिया गया, जिसके चलते अपराधियों और मनचलों के हौसले और बढ़ गए।

जनता की मांग — आमजन में विश्वास, अपराधियों में खौफगौतमपुरा नगर की जनता चाहती है कि आमजन में 'खाकी' का विश्वास बढ़े और अपराधियों में 'खाकी' का खौफ।



व्यापारियों ने मांग की है कि

मुख्य बाजार में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, दिनदहाड़े हुई लूट के आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए और दशहरे के दिन उठाए गए मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की जाए, ताकि नगर में कानून व्यवस्था का वातावरण बने और व्यापारी व नागरिक सुरक्षित महसूस कर सकें।

युवा मोर्चा में नई टीम

अजय-विजेंद्र के बहाने इंदौर भाजपा की गुटबाजी फिर चर्चा में

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के इंदौर जिला अध्यक्ष और महामंत्री की नियुक्ति के बाद से इंदौर की राजनीति में एक बार फिर गुटबाजी, एहसान और संतुलन की चर्चा तेज हो गई है। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अजय पवार और महामंत्री विजेंद्र जाट के नाम सामने आते ही राजनीतिक गलियारों में उनके राजनीतिक बैकग्राउंड को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। नवनियुक्त युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अजय पवार राजपूत समाज से आते हैं। उनके पिता दिलीप सिंह पवार इंदौर भाजपा के जाने-माने राजपूत नेता माने जाते हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि दिलीप सिंह पवार ने भाजपा इंदौर जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा को अध्यक्ष बनवाने में अहम भूमिका निभाई थी।





अब उसी राजनीतिक एहसान को चुकाने के तौर पर श्रवण सिंह चावड़ा ने उनके बेटे अजय को युवा मोर्चा का जिला अध्यक्ष बनवाया है, ऐसा कार्यकर्ताओं के बीच कहा जा रहा है। बताया जाता है कि अजय पवार शुरुआती दौर में सांवेर के विधायक राजेश सोनकर से जुड़े रहे हैं। वहीं उनके पिता दिलीप सिंह पवार स्वर्गीय नंदकुमार सिंह चौहान के प्रबल समर्थक रहे हैं। ऐसे में अजय की नियुक्ति को पुरानी राजनीतिक निष्ठा और नए समीकरणों का मेल माना जा रहा है। संगठन में अजय की छवि एक अनुशासित और सक्रिय युवा नेता की है। अध्यक्ष बनने के बाद उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में युवा मोर्चा को मजबूती देंगे। वहीं महामंत्री बने विजेंद्र जाट की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। विजेंद्र जाट ने युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी की थी। लंबे समय से संगठन में सक्रिय विजेंद्र को अध्यक्ष पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन अंतिम सूची में उन्हें महामंत्री पद पर ही संतोष करना पड़ा। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि विजेंद्र जाट पूर्व विधायक जीतू जिराती के समर्थक माने जाते हैं। महामंत्री बनने से पहले वे युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष थे और संगठन के हर कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

इसके अलावा विजेंद्र जाट दूधिया गांव के सरपंच भी रह चुके हैं। पंचायत की राजनीति से लेकर युवा मोर्चा तक का उनका अनुभव संगठन के लिए फायदेमंद माना जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ है, जिसका लाभ आगामी चुनावों में भाजपा को मिलने की उम्मीद है। राजनीतिक पंडितों की मानें तो अजय पवार और विजेंद्र जाट की नियुक्ति के पीछे संगठन ने जातिगत और गुटगत संतुलन साधने की कोशिश की है। एक तरफ राजपूत समाज से अध्यक्ष तो दूसरी तरफ जाट समाज से महामंत्री, यह समीकरण इंदौर के ग्रामीण अंचल में भाजपा की पकड़ मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

मोदी को हटाएंगे, तभी लोकतंत्र बचेगा

● रामलीला मैदान से सरकार पर बरसे मल्लिकार्जुन खरगे ● कहा-ज्ञानेश कुमार छोड़ेंगे नहीं ,मोदी को जाना ही होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के रामलीला मैदान में एसआईआर के विरोध में इंडिया ब्लॉक की रैली हुई। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पाताल में क्यों न चले जाएं, हम उन्हें वहां से भी खोज लाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी आज लोगों में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं, वे खुद वोट चुन रहे हैं। उनको वोट कौन देगा वे वोटर्स चुनते हैं। आज की केंद्र सरकार, बिहार सरकार, यूपी सरकार, ये सब चोरी की सरकार हैं। इन चोरों को निकालना है। इस रैली में मंच पर राहुल गांधी,अखिलेश यादव समेत 19 पार्टियों के नेता मौजूद रहे। इससे पहले विपक्ष का मार्च दोपहर 12 बजे मिंटो जंक्शन से शुरू हुआ और दोपहर 3 बजे रामलीला मैदान पहुंचा।



अखिलेश यादव बोले-काशी की जनता ने उन्हें डबल जीरो दिया

अखिलेश ने कहा, मैं देख रहा हूं कि रामलीला मैदान में जो आवाज उठ रही है। गठबंधन के सभी साथियों ने एकजुट होकर लोकतंत्र को खत्म करने वालों के खिलाफ हुए हैं। आज जब सभा यहां होने जा रही थी उसी समय यूपी में भाजपा की तरफ से कहा गया कि एक करोड़ वोट हिंदू भाइयों के वोट काट दिए गए। उन्होंने कहा- अब उनको भी याद आ रहा है कि उनके वोट भी कट गए हैं। मतलब 31 हजार वोट हर विधानसभा में कम हुए हैं। जब जमीन ही नहीं बची तो अंगद का पैर कहां रखोगे। काशी की जनता ने उन्हें डबल जीरो दिया है।

खड़गे का आरोप मोदी अपना वोट खुद चुन रहे

मल्लिकार्जुन खड़गे ने ये भी कहा कि मोदी आज लोगों में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं, वे खुद वोट चुन रहे हैं। उनको वोट कौन देगा, वे वोटर्स चुनते हैं। आज की केंद्र सरकार, बिहार सरकार, यूपी सरकार, ये सब चोरी की सरकार हैं। इन चोरों को निकालना है। चोरों की सरकार हर जगह बैठी है, आपका सपोर्ट हम चाहते हैं। मोदी जाएंगे तो ही लोकतंत्र बचेगा। मोदी को हटाओ, लोकतंत्र को बचाओ।

पंजाब में एएपी को झटका 2 एमएलए ने पार्टी छोड़ी

दोनों एएपी एमएलए बीजेपी में हो सकते हैं शामिल

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब में आम आदमी पार्टी के 40 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद 2 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। इनमें पटियाला के समाना से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। उन्होंने पार्टी छोड़ने की वजह बताने के लिए चंडीगढ़ में साढ़े 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। जौड़ामाजरा एएपी सरकार में मंत्री रह चुके हैं लेकिन कुछ समय पहले पार्टी ने पूर्व अकाली नेता सुरजीत सिंह रखड़ा को उनकी जगह पर समाना विधानसभा सीट का हलका इंचार्ज बना दिया था। वहीं, हरमीत सिंह पठानमाजरा पर रेप का केस दर्ज हुआ था। जिसके बाद वे ऑस्ट्रेलिया फरार हो गए थे। जांच में शामिल होने के लिए लौटने पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। एएपी के पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा ने कहा कि अब भाजपा निष्कासित लोगों को इकट्ठा कर रही है।



बंगाल की खाड़ी में फिर बना नया चक्रवात

● 3 नवंबर को आंध्र के तट से टकराएगा मुरासु ● एक हफ्ते में दूसरा साइक्लोन,ओडिशा में बाढ़

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव का क्षेत्र मुरासु नाम के चक्रवात में बदल गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह 3 नवंबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किमी प्रति घंटे और झोंकों के साथ 120 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। एक हफ्ते के भीतर बंगाल की खाड़ी में यह दूसरा चक्रवाती तूफान है। इससे पहले 26 अक्टूबर को चक्रवात 'अर्नब' उठा था। यह 28 अक्टूबर को आंध्र के तट से टकराया था। इसके कारण आंध्र प्रदेश, ओडिशा सहित देश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश हुई थी। ओडिशा के गंजाम और गजपति जिले में पिछले एक हफ्ते से बाढ़ जैसे हालात हैं। राज्य अभी चक्रवात 'अर्नब' से हुए नुकसान से उबर ही रहा है। नए तूफान के कारण फिर से भारी बारिश हो सकती है। खतरे को देखते हुए ओडिशा सरकार ने निचले और पहाड़ी इलाकों को खाली करने का आदेश दिया है।

लखनऊ समेत 10 शहरों में कोहरा छाया, ठंड बढ़ी

यूपी में 'अर्नब' तूफान के असर से 3 दिन लगातार हुई बारिश से ठंड बढ़ गई है। दिन का तापमान 8 डिग्री तक लुढ़क गया है। रविवार सुबह लखनऊ, सहारनपुर, शामली, बागपत और मुजफ्फरनगर समेत 10 शहरों में कोहरा छाया रहा। सड़कों पर सन्नाटा दिखा और 50 मीटर दूर देखना भी मुश्किल हो गया। इधर, वाराणसी, कानपुर और उन्नाव समेत 15 से ज्यादा शहरों में बादल छाए हैं। ठंडी हवाएं सर्दी का एहसास करा रही हैं। दुकानों पर लोग अलाव सेकते नजर आ रहे हैं। आज बलिया, गाजीपुर, चंदौली, मिर्जापुर और सोनभद्र में हल्की बारिश का अलर्ट है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- यूपी में चक्रवात का असर अब खत्म हो गया है।



राजस्थान में दिन गर्म रात में सर्दी तेज

राजस्थान में बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात का असर शनिवार से खत्म हो गया। अब अगले 3-4 दिन तक आसमान साफ रहने की संभावना है। इससे पहले शनिवार को मौसम साफ रहा। हालांकि, सुबह के समय कई जिलों में हल्का कोहरा रहा। जयपुर, कोटा समेत कई शहरों में अधिकतम तापमान में 2 से 5 डिग्री तक बढ़ोतरी हुई। पिछले 24 घंटे अधिकतम तापमान में भले ही बढ़ोतरी हुई, लेकिन 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। वहीं, रात के तापमान में गिरावट होने से सर्दी बढ़ गई। सबसे कम तापमान सीकर के फतेहपुर में रहा। शनिवार को सबसे ज्यादा गर्मी बाड़मेर में रही। हालांकि, बीते चार-पांच दिन में यहां के तापमान में तीन-चार डिग्री की गिरावट हुई है। फिर भी दिन का पारा करीब 35 डिग्री के करीब ही दर्ज हो रहा है। वहीं, जैसलमेर में अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

12 साल में 49 करोड़ लोग गरीबी से निकले हैं बाहर

● पीएम मोदी बोले-देश में आर्थिक असमानता भी घटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने कहा कि 2011 से 2023 के बीच भारत में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। इस दौरान देश में अत्यधिक गरीबी की दर 90 फीसदी तक कम हुई। मोदी ने वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ नारा नहीं, बल्कि पक्का संकल्प है। मोदी ने यह भी कहा कि पिछले 6 साल में रोजगार के 13.4 करोड़ नए अवसर बने हैं। यह संख्या कामकाजी उम्र की आबादी में हुई बढ़ोतरी से करीब दोगुनी है। उन्होंने देश में आर्थिक असमानता कम होने की बात भी कही। प्रधानमंत्री ने ये आंकड़े इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए साझा किए।



गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ एक नारा नहीं

वर्ल्ड बैंक ने अक्टूबर में इंडिया पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ नाम से रिपोर्ट जारी की थी। इसके मुताबिक, भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011 में 27.1 फीसदी थी, जो 2023 में घटकर 2.6 फीसदी रह गई। मोदी ने कहा कि वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत में दुनिया में सबसे तेजी से गरीबी कम हुई है। उन्होंने आर्थिक असमानता मापने वाले गिनी इंडेक्स का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, इसमें 20 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है और यह घटकर 23.0 पर पहुंच गया है।

3 वजह: खपत बढ़ी महिलाओं को मिला रोजगार

आम लोगों की कमाई और खर्च करने की क्षमता में सुधार हुआ है। 2017 से 2023 के बीच करीब 13.4 करोड़ नए रोजगार के अवसर बने। इनमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा रही। कई महिलाएं पहली बार कमाई वाले कामों से जुड़ीं। मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में पैसे भेजने जैसी योजनाओं से गरीब परिवारों को सहारा मिला। गरीबी में कमी सिर्फ कमाई तक सीमित नहीं रही। लोगों के रहन-सहन और बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच में भी सुधार हुआ है। अब पहले के मुकाबले ज्यादा लोगों के पास पक्के मकान, बिजली, साफ पानी, शौचालय और रसोई गैस जैसी सुविधाएं हैं। ऑक्सफोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, 2005-06 में देश की 53.8 फीसदी आबादी इन बुनियादी सुविधाओं से वंचित थी। 2019-21 तक यह आंकड़ा घटकर 16.4 फीसदी रह गया। वहीं, वर्ल्ड बैंक के पैमाने के अनुसार 22-23 में गरीबी घटकर 15.5 फीसदी रह गई है।

सब कुछ है, फिर भी कड़कनाथ को नहीं मिल रहा कड़क भाव

● हाई प्रोटीन, तगड़ी कीमत और धोनी की पसंद भी नहीं आ रही काम

भोपाल। झाबुआ और धार जिलों की खास पहचान कड़कनाथ या कालामासी अपनी अनूठी खूबियों के कारण हमेशा चर्चा में रहता है। जेट-ब्लैक पंखों, काले मांस और बेहतरीन चिकित्सीय व पोषण गुणों वाले इस मुर्गे को ग्लोबल लेवल पर पहुंचाने के लिए सरकार ने जीआईएस टैगिंग, सब्सिडी और वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट जैसे कई उपाय किए हैं। इसके बावजूद, यह विशेष नस्ल अपने मूल इलाकों में सिमटकर रह गई है और बाहर निकलकर उड़ान भरने के लिए संघर्ष कर रही है।



जब धोनी के एक ऑर्डर से चमकी थी किस्मत

कड़कनाथ को राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी हाइलाइट तब मिली जब साल 2022 में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अपने रांची स्थित फार्म के लिए 2000 कड़कनाथ चूजों का ऑर्डर दिया था। इसके बाद झाबुआ की एक कोऑपरेटिव सोसाइटी ने इन चूजों की सप्लाई की थी, जिससे साफ हो गया था कि मध्य प्रदेश से बाहर भी इस नस्ल की जबरदस्त डिमांड है। हालांकि, इस एक बड़े हाइप और सेलिब्रिटी कनेक्शन के बाद भी व्यावसायिक स्तर पर इसका दायरा उस तरह नहीं फैल पाया जैसा अनुमान लगाया गया था।

न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर अंतिम टी-20 किया अपने नाम

श्रेयस-ईशान की फिफ्टी बेकार टीम इंडिया ने सीरीज 3-2 से जीती

हैमिल्टन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच में खेली गई 5 मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेला गया, जिसको मेजबान न्यूजीलैंड की टीम 7 विकेट के अंतर से अपने नाम करने में कामयाब रही। न्यूजीलैंड की टीम को मुकाबले में 192 रनों का टारगेट मिला था, जिसका पीछा उन्होंने 18 ओवर्स में ही कर लिया जिसमें उनकी तरफ से टिम सीफर्ट ने 93 रनों की तो वहीं ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 65 रनों की अहम पारी खेली। गेंदबाजी में भारतीय टीम की तरफ से अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और नीतीश कुमार रेड्डी ने 1-1 विकेट हासिल किया। वहीं इससे पहले न्यूजीलैंड टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था। भारतीय टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर्स में 8 विकेट के नुकसान पर 191 रनों का स्कोर बनाया था। टीम इंडिया की तरफ से बल्लेबाजी में ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर का कमाल देखने को मिला, जिसमें ईशान ने 61 रनों की पारी खेली तो वहीं अय्यर के बल्ले से 50 रन देखने को मिले। न्यूजीलैंड की तरफ से गेंदबाजी में एडम मिल्ने ने सबसे ज्यादा 4 विकेट जबकि नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर ने 2-2 विकेट हासिल किए थे।

अभिषेक-सैमसन ने किया फिर निराश, ईशान ने कप्तान अय्यर के साथ संभाली पारी

हैमिल्टन के सेडन पार्क में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत काफी खराब रही जिसमें अभिषेक शर्मा एक और संजू सैमसन सिर्फ 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने मिलकर ना सिर्फ पारी को संभाला बल्कि तीसरे विकेट के लिए 93 रनों की साझेदारी करने के साथ बड़े स्कोर की नींव भी रख दी। ईशान किशन इस मैच में 32 गेंदों में 61 रनों की पारी खेलने में कामयाब रहे तो वहीं कप्तान अय्यर के बल्ले से 23 गेंदों में 50 रनों की पारी देखने को मिली।

नमन और नीतीश ने भी खेली अहम पारियां

ईशान किशन और कप्तान अय्यर के पवेलियन लौटने के साथ टीम इंडिया की पारी एकबार फिर से लड़खड़ाती हुई दिखाई दी, जिसके बाद नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी ने ना सिर्फ पारी को संभाला बल्कि छठे विकेट के लिए 46 रनों की अहम साझेदारी करने के साथ स्कोर को 190 रनों तक पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की। नमन धीर के बल्ले से 33 रन देखने को मिले तो वहीं नीतीश कुमार रेड्डी ने 22 रनों की पारी खेली।

टिम सीफर्ट और ग्लेन फिलिप्स की पारी ने मुकाबला किया एकतरफा

192 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही जिसमें उनको पहला झटका 9 के स्कोर पर फिन एलन के रूप में लगा, इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे डेरिल मिचेल ने टिम सीफर्ट का बखूबी साथ दिया जिसमें दोनों के बीच में दूसरे विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी देखने को मिली। मिचेल 29 रनों की पारी खेलने के बाद पवेलियन लौटे। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी करने मैदान पर आए शानदार फॉर्म में चल रहे ग्लेन फिलिप्स इस मुकाबले में भी अपने बल्ले से कमाल दिखाने में कामयाब रहे ।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

भारत - संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वरुण चक्रवर्ती।

न्यूजीलैंड - टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), फिन एलन, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, बेवन जैकब्स, माइकल ब्रेसवेल, मिचेल सैंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, एडम मिल्ने, जैकब डफी, ब्लेयर टिकनर।

टीम इंडिया ने रचा इतिहास

साइफर्ट ने 93 रन बनाए

एक कैलेंडर ईयर में ठोक दिए 400 टी-20 सिक्स, दुनिया की पहली टीम बनी



हैमिल्टन। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में भारतीय बल्लेबाजों का बल्ला किस कदर आग उगल रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टीम इंडिया ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में आज तक कोई दूसरी टीम नहीं कर सकी। टीम इंडिया अब एक कैलेंडर ईयर में 400 छक्के लगाने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी-20 मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को अपने नाम किया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को हैमिल्टन के सेडन पार्क में सीरीज के आखिरी मुकाबले में टीम इंडिया ने कुल 11 छक्के लगाए। इसी के साथ भारतीय टीम के इस साल टी-20 इंटरनेशनल में छक्कों की संख्या 400 तक पहुंच गई। भारत ने यह उपलब्धि महज 40 मुकाबलों में हासिल की है।

भारतीय बल्लेबाजों ने किया कमाल

भारतीय टीम के इस रिकॉर्ड में न्यूजीलैंड के खिलाफ बल्लेबाजों का प्रदर्शन भी बेहद खास रहा है। इस साल भारत ने कीवी टीम के खिलाफ कुल 142 छक्के लगाए हैं, जो किसी एक कैलेंडर ईयर में एक टीम के खिलाफ लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं। भारतीय बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा इस मामले में सबसे आगे हैं। उन्होंने इस साल 86 छक्के लगाए हैं। वहीं ईशान किशन 60 छक्कों के साथ दूसरे और संजू सैमसन 50 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाने वाले इस मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। एक समय भारत ने महज 19 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने मोर्चा संभाला।

ग्लेन फिलिप्स ने मचाया तहलका, टीम इंडिया के खिलाफ रनों का अंबार लगाकर तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड

हैमिल्टन। टीम इंडिया के खिलाफ न्यूजीलैंड की जीत में ग्लेन फिलिप्स ने ऐसा बल्ला चलाया कि उनके नाम एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया। भारतीय गेंदबाजों के सामने फिलिप्स ने रनों की ऐसी बारिश की कि पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान और इंग्लैंड के फिल सॉल्ट जैसे धुरंधर भी पीछे छूट गए। फिलिप्स अब द्विपक्षीय टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दुनिया के बल्लेबाज बन गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली गई पांच मैचों की टी-20 सीरीज में फिलिप्स का बल्ला जमकर बोला। उन्होंने पूरी सीरीज में 341 रन बनाए। इस तरह उन्होंने द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन जड़ने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह उपलब्धि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट के नाम थी, जिन्होंने 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में 331 रन बनाए थे। वहीं पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ 316 रन बनाए थे।



द्विपक्षीय टी-20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन

341* - ग्लेन फिलिप्स बनाम भारत (2026)
331 - फिलिप साल्ट बनाम वेस्टइंडीज (2023)
316 - मोहम्मद रिजवान बनाम इंग्लैंड (2022)

'पेद्दी' के किरदार पर शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी



अभिनेत्री जान्हवी कपूर हाल ही में शो 'कॉफी विद करण 9' में पहुंचीं। यहां उन्होंने अपनी फिल्म 'पेद्दी' में अपने किरदार के 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' (वस्तु की तरह पेश किए जाने) पर बात की। उन्होंने माना कि वह 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' को रोकने के लिए और बेहतर कर सकती थीं। उन्होंने इस फिल्म से जुड़े विवाद में अपनी भूमिका की जिम्मेदारी ली है।

बातचीत के दौरान, शो के होस्ट करण जौहर ने जान्हवी से उस आलोचना के बारे में पूछा, जो फिल्म में उनके किरदार को दिखाए जाने के तरीके को लेकर हुई थी। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राम चरण अहम किरदार में थे। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में जान्हवी के किरदार को लेकर काफी विवाद हुआ था।

आलोचना का जवाब देते हुए, जाह्नवी ने कहा कि यह बात उनके मन पर लगातार बोझ बनी हुई है। उन्होंने माना कि फिल्म में उनके किरदार को जिस तरह से पेश किया गया, उसे अलग तरीके से दिखाया जा सकता था। उन्होंने कहा, 'इस तरह की कहानी का हमारे समाज पर जो नकारात्मक असर पड़ सकता है, खासकर मेरे जेंडर पर, वह मेरे मन पर एक भारी बोझ की तरह है। यह शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी। क्या मैं और कुछ कर सकती थी? क्या मैं और अधिक सतर्क रह सकती थी? बिल्कुल, हां। क्या यह हद से ज्यादा 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' था? क्या इसने कहानी के जरिए यौन उत्पीड़न को भी बढ़ावा दिया? हां। लेकिन अब मैं बस इतना कर सकती हूं कि यह सुनिश्चित करूं कि ऐसा दोबारा न हो।'

दैनिक
विश्वनाथ समाचार
इंदौर, शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

पूर्व आईएएस की सियासी पारी

धामपुर से चुनाव लड़ने का ऐलान

डॉ. दिनेश चंद्र ने भाजपा के टिकट पर ठोकी दावेदारी, योगी से मुलाकात के बाद बढ़ीं राजनीतिक अटकलें

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

लखनऊ/बिजनौर। उत्तर प्रदेश की राजनीति में पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह की एंट्री ने धामपुर विधानसभा सीट पर सियासी हलचल बढ़ा दी है। सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. सिंह



ने बिजनौर की धामपुर सीट से भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद उनकी राजनीतिक दावेदारी को लेकर चर्चाएं तेज हैं। हालांकि, मुलाकात को टिकट की मंजूरी मानना जल्दबाजी होगी।

भाजपा ने उनकी उम्मीदवारी पर आधिकारिक फैसला किया है या नहीं, यह स्पष्ट होना बाकी है। प्रशासनिक अनुभव को राजनीतिक पूंजी में बदलने की कोशिश कर रहे डॉ. सिंह के सामने अब संगठन में अपनी स्वीकार्यता साबित करने की चुनौती होगी।

धामपुर में भाजपा का स्थानीय समीकरण,

पुराने दावेदारों की भूमिका और कार्यकर्ताओं का रुख उनकी राह तय करने में अहम हो सकता है। ऐलान से चुनावी चर्चा जरूर गर्म हुई है, लेकिन टिकट और जीत की असली कसौटी पार्टी का फैसला तथा जनता का समर्थन होगा।

क्वाड में भारत का संदेश: फैसले अपने, निर्भरता किसी की नहीं!

जयशंकर ने आर्थिक सुरक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति पर दिया जोर; एआई सहयोग से लेकर समुद्री रास्तों की सुरक्षा तक बना साझा एजेंडा

अटलांटा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने क्वाड देशों के बीच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता, समृद्धि और अपनी पसंद के फैसले लेने की आजादी को अहम बताया। 31 अक्टूबर की बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने आर्थिक सुरक्षा और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने पर जोर दिया। जयशंकर ने तकनीक, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की जरूरत बताई। उनका संदेश साफ था—वैश्विक संकटों के बीच किसी एक आपूर्तिकर्ता पर अत्यधिक निर्भरता आर्थिक जोखिम बढ़ा सकती है। बैठक में मनमाने निर्यात प्रतिबंधों, गैर-बाजार नीतियों और आर्थिक दबाव के जरिए वैश्विक कारोबार को प्रभावित करने पर चिंता जताई गई। हालांकि संयुक्त बयान में किसी देश का नाम नहीं लिया गया। क्वाड ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भरोसेमंद कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक पहुंच के लिए 8.5 करोड़ डॉलर से अधिक की तकनीकी और वित्तीय सहायता देने का इरादा जताया। महत्वपूर्ण खनिजों की पुनर्प्राप्ति, समुद्री सुरक्षा और अर्धचालक आपूर्ति श्रृंखला

महारैली की मार से कारोबार बेहाल!

ढाई लाख दुकानें बंद, 80 फीसदी व्यापार ठप होने का दावा

सीटीआई की राहुल गांधी को चौथी चिट्ठी, व्यापार बचाने की गुहार

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

नई दिल्ली। रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की महारैली को लेकर दिल्ली के व्यापारियों ने चिंता जताई है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने राहुल गांधी को चौथी चिट्ठी लिखकर रैली के कारण कारोबार पर पड़ रहे असर का मुद्दा उठाया है।

सीटीआई का दावा है कि रैली के चलते करीब 2.5 लाख दुकानें बंद हैं और 80 फीसदी कारोबार ठप पड़ गया है। व्यापारियों के मुताबिक, यातायात प्रतिबंध, रास्तों में बदलाव और ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित होने से बाजारों की बिक्री पर असर



पड़ रहा है। संगठन ने व्यापारिक गतिविधियों को बचाने और कारोबारियों की परेशानी पर गंभीरता से ध्यान देने की अपील की है। हालांकि, दुकानें बंद होने और कारोबार प्रभावित होने के आंकड़े सीटीआई के दावे हैं। इनकी स्वतंत्र पुष्टि जरूरी है। राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के बीच सवाल यही है कि व्यापारियों की रोजी-रोटी और आम लोगों की आवाजाही के लिए पर्याप्त व्यवस्था क्यों नहीं सुनिश्चित की गई।

पत्नी की कमाई पति से 2.25 गुना, पांच साल में बड़ा उछाल

हरदीप सिंह पुरी के नामांकन हलफनामे में सामने आया आय और संपत्ति का ब्योरा, विदेश में भी करोड़ों की संपत्ति

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और उनकी पत्नी लक्ष्मी पुरी की आय का अंतर चर्चा में है। राज्यसभा नामांकन के साथ दाखिल हलफनामे के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में लक्ष्मी पुरी की घोषित आय 1 करोड़ 69 लाख 77 हजार 960 रुपये रही, जबकि हरदीप सिंह पुरी की आय 75 लाख 57 हजार 130 रुपये दर्ज की गई। इस तरह पत्नी की आय पति से करीब 2.25 गुना रही। पिछले पांच वर्षों के आंकड़े भी आय में उल्लेखनीय अंतर दिखाते हैं। वर्ष 2021-22 में लक्ष्मी पुरी की आय करीब 15.39 लाख



रुपये थी, जो 2025-26 में बढ़कर लगभग 1.70 करोड़ रुपये पहुंच गई। वहीं, इसी अवधि में हरदीप सिंह पुरी की आय करीब 63.36 लाख से बढ़कर 75.57 लाख रुपये हुई।

घोषित संपत्ति के अनुसार, हरदीप सिंह पुरी की चल और अचल संपत्ति करीब 26.54 करोड़ रुपये तथा लक्ष्मी पुरी की करीब 19.66 करोड़ रुपये बताई गई है। पत्नी के विवरण में विदेशी मुद्रा और स्विट्जरलैंड स्थित संपत्ति का भी उल्लेख है। हरदीप सिंह पुरी की आय में वेतन, पेंशन और किराया शामिल हैं, जबकि लक्ष्मी पुरी की आय के स्रोतों में पेंशन, किराया, ब्याज और पुस्तकों की रॉयल्टी बताए गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक संदीप परमार द्वारा उदयरत्न ऑफसेट 170/2, दारू गोडाउन के आगे, आगर रोड, उज्जैन से मुद्रित एवं 215, सोमानी नगर, एयरपोर्ट 60 फीट रोड, इंदौर (म.प्र.) 452005 से प्रकाशित।
RNI No. MPHIN/25/A4357- (सभी विवादों का क्षेत्र इंदौर रहेगा)- (नोट : पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)-मो. 7000928755 E-mail:- vishwanathsamachar@gmail.com